दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, मद्रास
मई – 2009
समय : 10.00 से 1.00 बजे तक

दिनांक : 08.05.09

उच्च शिक्षा और शोध संस्थान
दूरस्था शिक्षा निदेशालय
बी.ए. (प्रथम वर्ष) परीक्षा
विषय : हिंदी (अनिवार्य) प्रश्न पत्र : 1
शीर्षक : हिंदी साहित्य का इतिहास

समय : 3 घंटे | पूर्णांक : 75

I. निम्न लिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लगभग **500** शब्दों में दीजिए। 3x10=30

1. हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की पृष्ठ भूमि पर प्रकाश डालते हुए स्पष्ट कीजिए कि हिंदी साहित्य का इतिहास किन–किन सोपानों से विकसित हुआ है?
2. काल विभाजन और नामकरण की आवश्यकता को स्पष्ट करते हुए, हिंदी साहित्य के काल विभाजन की समस्याओं का विवेचन कीजिए।
3. निर्गुण ज्ञानमार्गी शाखा के पमुख कवि कबीरदास पर एक लेख लिखिए।
4. प्रेमात्रयी शाखा की काव्यगत विशेषताओं को रेखांकित करते हुए ; इस शखा कि प्रमुख कवि जायसी पर प्रकाश डालिए।
5. रीतिकालीन राजनैतिक, सामाजिक एवं धार्मिक परिस्थियों का विश्लेषण कीजिए।

II. निम्न लिखित प्रश्नों में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लगभग **250** शब्दों में दीजिए। 5x6=30

1. गोरखनाथ को नाथ साहित्य का प्रमुख कवि माना जाता है। यह सिद्ध कीजिए।
2. मिश्रबन्धुओं तथा आचार्य रामचन्द्रशुक्ल द्वारा किये गये काल विभाजन पर प्रकाश डाजिए।
3. सगुण भक्ति काव्य की सामान्य विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।
4. सूरदास की 'काव्य साधना' पर प्रकाश डाजिए।
5. भक्तिकालीन सांस्कृतिक विकास में मुसलमान शासकों का क्या योगदान है? विवेचन कीजिए।
6. साहित्य के इतिहास लेखन के महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर प्रकाश डाजिए।
7. भक्तिकालीन साहित्य में अभिव्यक्त 'गुरु की महिमा' एवं 'नाम की महिमा' पर सोदाहरण सहित चर्चा कीजिए।

8. रीतिकाल में चित्रकला, संगीत एवं नृत्य कला का विकास किस तरह हुआ है? स्पष्ट कीजिए।

III. निम्न लिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लगभग **100** शब्दों में दीजिए। 3x5=15

1. विद्यापति पदावली तथा कीर्तिलता पर टिप्पणी लिखिए।
2. तुलसीदास पर एक टिप्पणी लिखिए।
3. निर्गुण एवं सगुण शाखा की तुलना कीजिए।
4. रीतिसिद्ध कवि बिहारी लाल।
5. 'रीतिकाल' को रीतिकाल नाम से पुकारना कहाँ तक उचित है?